

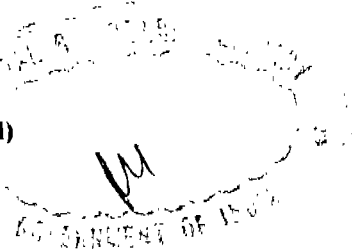


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 590]

नई दिल्ली, रविवार, नवम्बर 27, 1994/कार्तिक 6, 1916

No. 590]

NEW DELHI, SUNDAY, NOVEMBER 27, 1994/KARTIKA 6, 1916

गृह मंत्रालय

अधिमूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1994

का.आ. 848(अ):—यूनाइटेड लिबरेशन फ्रण्ट आफ असम (जिसे इसमें इसके पश्चात् “उल्फा” कहा गया है) और उसके विभिन्न विंगों का, पूर्वोत्तर क्षेत्र के अन्य सशस्त्र पृथकवादी संगठनों से मिलकर सशस्त्र संघर्ष द्वारा भारत संघ से असम की “स्वतन्त्रता” तथा उस क्षेत्र के समरूचि संगठनों से मिलकर भारत-बर्मा क्षेत्र की राष्ट्रीय स्वतन्त्रता के लिए संघर्ष करना और इसके परिणामस्वरूप असम का भारत संघ से विलग करना एक प्रवर्जित उद्देश्य है:

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि “उल्फा”:

- (1) असम को स्वतन्त्र कराने के उद्देश्य को अग्रसर करने के लिए विभिन्न अवैध और हिंसात्मक क्रियाकलापों में लिप्त है जिनका आशय भारत की प्रभुता और राज्य क्षेत्रीय अखण्डता विध्वंस करना है या जिनसे भारत की प्रभुता और राज्य क्षेत्रीय अखण्डता विध्वंस होती है;
- (2) असम को स्वतन्त्र कराने के लिए नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल आफ नागालैण्ड और बोडो सुरक्षा बल जैसे अन्य विध्विक्ख संगमों में सम्मिलित है;

(3) अपने उद्देश्यों और लक्ष्यों के अनुसरण में, हाल ही में उसकी विध्विक्ख संगम के रूप में घोषणा के चालू रहने के दौरान कई हिंसात्मक क्रिया-कलापों में संलग्न रहा है।

और केन्द्रीय सरकार की यह और राय है कि हिंसात्मक क्रियाकलापों के अन्तर्गत निम्नलिखित हैं:—

- (1) 27 नवम्बर, 1992 में 20 अक्टूबर, 1994 तक की अवधि के दौरान 272 हिंसात्मक और आतंकवादी घटनाएं “उल्फा” की मानी जा सकती हैं;
- (2) मुक्ति धन के लिए व्यपहरण के उसके कार्यों के अतिरिक्त, विधिभ्रष्टता चाय सैक्टरों में उद्घापन क्रियाकलापों में लिप्त रहना;
- (3) अपने आतंकवादी और विद्रोही क्रियाकलाप जारी रखने के दौरान नए काडरों की भर्ती और जिला, आंचलिक तथा शाखा समितियों को पुनः तैयार करने के लिए गुप्त रूप से किन्तु सुव्यवस्थित रूप से आन्दोलन प्रारम्भ करके निचले स्तर पर अपने संगठनात्मक नेटवर्क का पुनर्निर्माण करने का कार्यक्रम आरंभ करना;

- (4) संगठन का प्रचार खण्ड सक्रिय रहा है और उसने इकाई का लक्ष्य, केन्द्रीय सरकार द्वारा अभिकथित शोषण को उजागर करते हुए तथा लोगों को तथाकथित स्वतन्त्रता संघर्ष में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित करने हुए चोरी छिपे इशतहार, पत्रिकाएं प्रकाशित की हैं और इसके परिणामस्वरूप उनकी भक्ति से विमुख होना;
- (5) अपने काइरों को पुलिस भेदियों/सरकारी सहयोगियों और कांग्रेस (आई) कार्यकर्ताओं की उनके विरुद्ध-प्रतिकारात्मक कार्रवाई के लिए कमजोर निशानों की पहचान करने के लिए सूची बनाने के लिए अनुदेश देना;
- (6) "उल्फा" के सेना ब्रिग सामान्य लोगों में मिल जाने और सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए अनुदेश देना;
- (7) राज्य सरकार द्वारा प्राप्त की गई यह जानकारी कि "उल्फा" और बंगलादेश के इस्लामी छाव शिविर (आई.सी.एस.) ने एक करार किया है और आई.सी.एस. "उल्फा" को आयुध और गोलाबारूद प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है;
- (8) बंगलादेश, भूटान और म्यांमार में शरण-स्थल और इन देशों में कई प्रशिक्षण शिविरों स्थापित की गई हैं। "उल्फा" अपने काइरों को पाकिस्तान और अफगानिस्तान में प्रशिक्षण के लिए भेज रहा है, जैसाकि कुछ गिरफ्तार किए गए "उल्फा" कार्यकर्ताओं द्वारा उद्घाटित किया गया है।

और केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि उसके समक्ष उपलब्ध सामग्री के आधार पर "उल्फा" के क्रियाकलाप भारत की प्रभुता और अखण्डता के लिए हानिकर हैं और यह एक विधिविरुद्ध संगम है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रण्ट आफ असम को विधि विरुद्ध संगम घोषित करती ।

और केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि जब तक "उल्फा" के विधिविरुद्ध क्रियाकलापों पर सतत रोक न लगाई जाए और उनको नियन्त्रित न किया जाए, यह संभावना है कि संगठन फिर से एकल हो सकता है और स्वयं को आयुध से सज्जित कर सकता है, नई भर्तियां कर सकता है, हिंसात्मक, आतंकवादी और पृथक्वादी क्रियाकलापों में लिप्त हो सकता है, निधि, आदि एकत्र कर सकता है और निर्दोष नागरिकों तथा सुरक्षा बल कर्मियों के जीवन को संकटापन्न हो सकता है ।

और केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि ऊपर उल्लिखित "उल्फा" के क्रियाकलापों को ध्यान में रखते हुए और "उल्फा" द्वारा हाल ही में पुलिस, सशस्त्र बलों और सिविलियनों के विरुद्ध की गई निरन्तर और सदा बढ़ती हुई हिंसा से निपटने के लिए यह आवश्यक है कि "उल्फा" को तात्कालिक प्रभाव में विधिविरुद्ध संगम घोषित किया जाए और तदनुसार केन्द्रीय सरकार, उस धारा की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है, कि, अधिसूचना का, किसी ऐसे आदेश के, जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए, अधीन रहते हुए, राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभाव होगा।

[फा.सं.-11011/33/94-एन.ई. IV]

बी.एन. झा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 1994

S.O. 848(E).—Whereas the United Liberation Front of Asom and the various wings thereof, (hereinafter referred to as ULFA) has as its professed aim, the "Liberation" of Assam from the Indian Union through an armed struggle, in alliance with other armed secessionist organisations of the North East Region as well as to struggle for the national liberation of the Indo-Burma region in alliance with like-minded organisations of that region and thereby, the secession of Assam from the Indian Union :

And whereas the Central Government is of the opinion that ULFA has—

- (i) indulged in various illegal and violent activities intended to disrupt or which disrupt the sovereignty and territorial integrity of India in furtherance of its objective of liberating Assam ;
- (ii) aligned itself with other unlawful associations like National Socialist Council of Nagaland and Bodo Security Force to liberate Assam ;
- (iii) in pursuance of its aims and objectives, recently engaged in several violent activities during the currency of its declaration as an unlawful association.

And whereas the Central Government is further of the opinion that the violent activities include—

- (i) 272 violent and terrorist incidents are attributed to ULFA during the period from 27th November 1992 upto 20th October 1994 ;
- (ii) indulging in a spate of extortion activities particularly among the tea sectors in addition to its acts of kidnapping for ransom ;

- (iii) embarking on a programme of restructuring its organisational network at grass root level by launching a quiet but systematic drive for recruitment of fresh cadres and revamping the district, anchalik and sakha committees, while continuing its terrorist and insurgency activities ;
- (iv) publicity wing of the organisation has remained active and has published clandestine leaflets, magazines highlighting the goal of the outfit, alleged exploitation by the Central Government and exhorting the people to join the so-called liberation struggle and thereby subverting their loyalties ;
- (v) instructing its cadres to compile the list of police informers, government collaborators and Congress(I) activists, to identify soft targets for retaliatory action against them ;
- (vi) instructing the army wing of the ULFA to mingle with the common people and execute assigned tasks ;
- (vii) information received by the State Government that ULFA and Islami Chatra Sibir (ICS) of Bangladesh have reached an agreement and the ICS has agreed to supply arms and ammunition to ULFA ;
- (viii) sanctuaries in Bangladesh, Bhutan and Myanmar and has established a number of training camps in these countries. ULFA has been sending its cadres for training to Pakistan and Afghanistan as revealed by some of the arrested ULFA activists.

And whereas the Central Government is also of the opinion that on the material placed before it, the activities of ULFA are detrimental to the sovereignty and integrity of India and that it is an unlawful association ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the United Liberation Front of Assam to be an unlawful association.

And whereas the Central Government is also of the opinion that, unless there is a continued curb and control over the unlawful activities of the ULFA, the organisation is likely to regroup and re-arm itself, make fresh recruitments, indulge in violent, terrorist and secessionist activities, collect funds etc. and endanger lives of innocent citizens and security forces personnel.

And whereas the Central Government is also of the opinion that having regard to the activities of ULFA mentioned above and to meet the sustained and ever increasing violence committed by the ULFA in the recent past against the police, the armed forces and the civilians, it is necessary to declare ULFA to be an unlawful association with immediate effect and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, the Central Government hereby directs that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 11011/33/94-NE.IV]

B. N. JHA, Jt. Secy.

